Ramesh / Sita

नाम	Ramesh	Sita
लिंग	पुरूष	स्त्री
जन्म तिथि	14-07-1980 (सोमवार)	14-07-1985 (रविवार)
जन्म समय (मानक)	00:50:00 (इष्टकाल 48:08:10 घटी)	00:50:00 (इष्टकाल 48:08:23 घटी)
देश/विभाग	India	India
जन्म स्थान	Delhi	Delhi
अक्षांश	028:39 उत्तर	028:39 उत्तर
रेखांश	077:13 पूर्व	077:13 पूर्व
मानक रेखांश	082:30 पूर्व	082:30 पूर्व
स्थानिक समय संस्कार	-00:21:08	-00:21:08
युद्ध/ग्रीष्म समय संस्कार	00:00:00	00:00:00
स्थानिक जन्म समय	00:28:52	00:28:52
साम्पातिक काल	19:56:08	19:55:18
सूर्योदय (स्थानिक)	05:13:36	05:13:31
सूर्यास्त (स्थानिक)	18:53:48	18:53:52
सूर्योदय (मानक)	05:34:44	05:34:39
सूर्यास्त (मानक)	19:14:56	19:15:00
तिथि	द्वितीया	एकादशी
पक्ष	शुक्ल	कृष्ण
शालिवाहन शक् सम्वत्	1901-1902	1906-1907
विक्रम सम्वत्	2036-2037	2041-2042
योग	वज्र	गंड
अयनांश (एन.सी.लाहिरी)	23:35:05	23:39:16
सूर्य राशि (पाश्चात्य)	कर्क	कर्क
लग्न-लग्नाधिपति	मेष-मंगल	मेष-मंगल
राशि-राशि स्वामी	कर्क-चन्द्र	वृष-शुक्र
नक्षत्र-चरण	पुष्य-4	कृतिका-4
नक्षत्रस्वामी	शनि	सूर्य

।। घात चक्र।।

राशी	कर्क	वृषभ
माह	पौष	माघ
तिथि	2 7 12	5 10 15
वार	बुधवार	शनिवार
नक्षत्र	अनुराधा	हस्त
योग	व्याघात	सुक्मी
करण	नाग	शकुनि
प्रहर	1	4
चन्द्र	2	4
स्त्री चंद्र	9	8

।। अवकहड़ा चक्र।।

वर्ण	ब्राह्मण	वैश्य
हंसक	वारि	भूमि
वश्य	जलचर	चतुष्पद
नक्षत्र	पुष्य	कृतिका
चरण	4	4
वर्ग	स्वान	गरुड़
अक्षर	डा	ए
योनि	मेष	मेष
गण	देव	राक्षस
युंज	मध्य	पूर्व
नाड़ी	मध्य	अन्त्य
अयन	दक्षिण	दक्षिण
गोल	दक्षिण	दक्षिण
ऋतु	वर्षा	वर्षा

निरयण ग्रह स्पष्ट

ग्रह	राशी-स्वामी	अंश	नक्षत्र-पद	राशी-स्वामी	अंश	नक्षत्र-पद
लग्न	मेष-मंगल	16:06:13	भरणी-1	मेष-मंगल	15:46:16	भरणी-1
सूर्य	मिथुन-बुध	27:56:43	पुनर्वसु-3	मिथुन-बुध	27:40:38	पुनर्वसु-3
चंद्र	कर्क-चंद्र	16:11:01	पुष्य-4	वृष-शुक्र	08:49:29	कृतिका-4
मंगल	कन्या-बुध	08:09:11मार्गी	उत्तरा फाल्गुनी-4	मिथुन-बुध	28:59:07मार्गी	पुनर्वसु-3
बुध	मिथुन-बुध	24:44:49वक्री	पुनर्वसु-2	कर्क-चंद्र	24:13:08मार्गी	अश्लेषा-3
गुरू	सिंह-सूर्य	14:36:15मार्गी	पूर्वा फाल्गुनी-1	मकर-शनि	21:04:31वक्री	श्रवण-4
शुक्र	वृष-शुक्र	23:22:11मार्गी	मृग-1	वृष-शुक्र	14:27:06मार्गी	रोहिणी-2
शनि	सिंह-सूर्य	28:50:33मार्गी	उत्तरा फाल्गुनी-1	तुला-शुक्र	27:57:31वक्री	विशाखा-3
राहु	कर्क-चंद्र	26:36:05वक्री	अश्लेषा-3	मेष-मंगल	22:27:18वक्री	भरणी-3
केतु	मकर-शनि	26:36:05वक्री	धनिष्ठा-1	तुला-शुक्र	22:27:18वक्री	विशाखा-1

राहु व केतु के स्पष्ट मान दिये गये हैं।

लग्न कुंडली

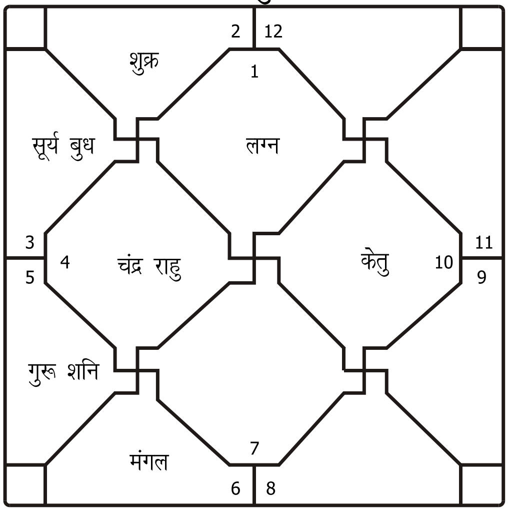

लग्न कुंडली

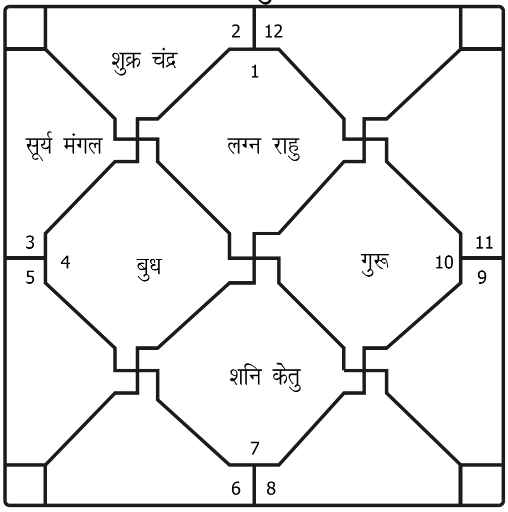

निरयण भाव चलित

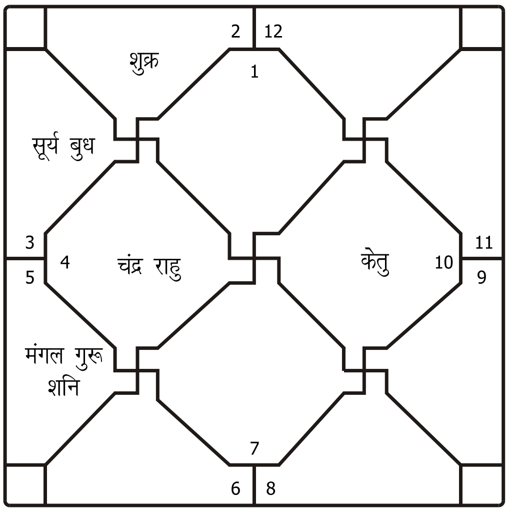

निरयण भाव चलित

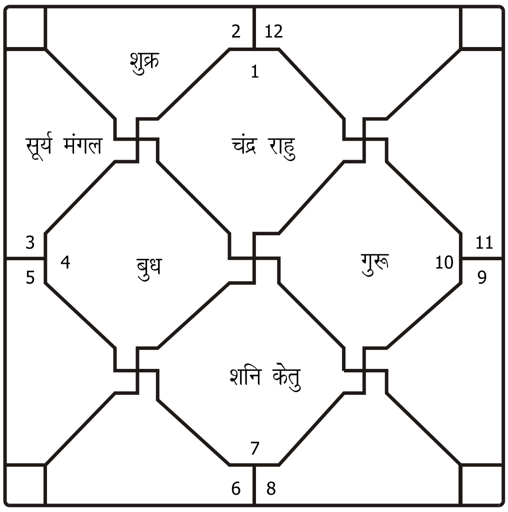

Ramesh / Sita

चलित

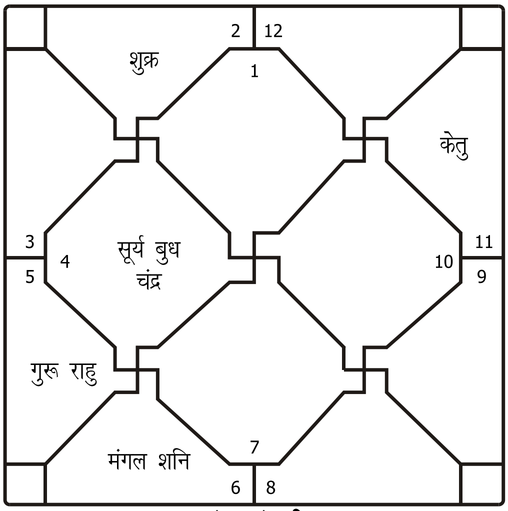

चलित

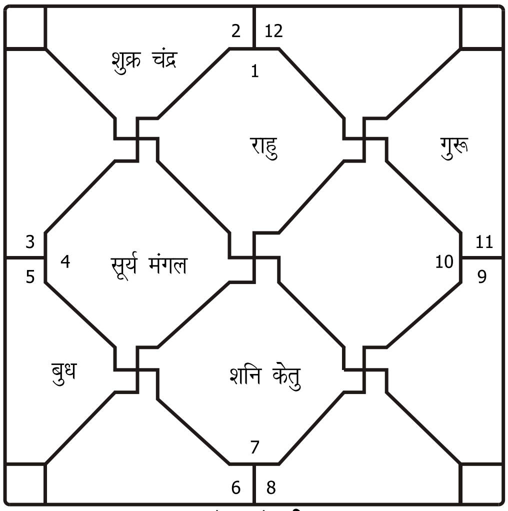

चंद्र कुंडली

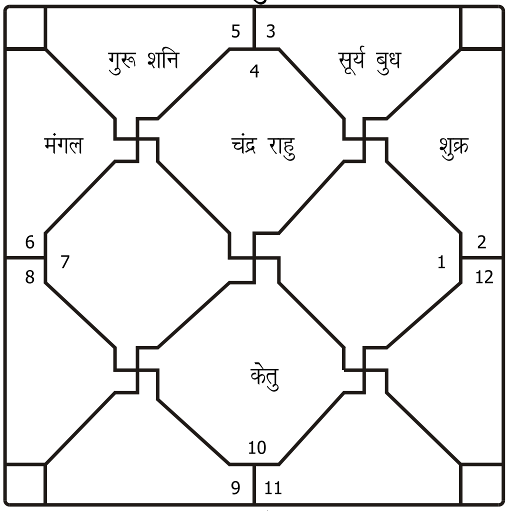

चंद्र कुंडली

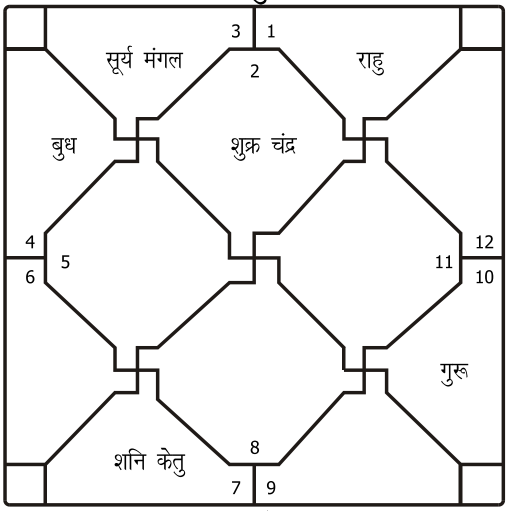

नवमांश

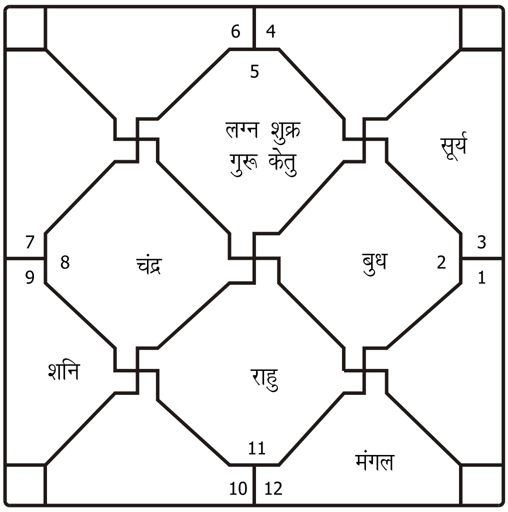

नवमांश

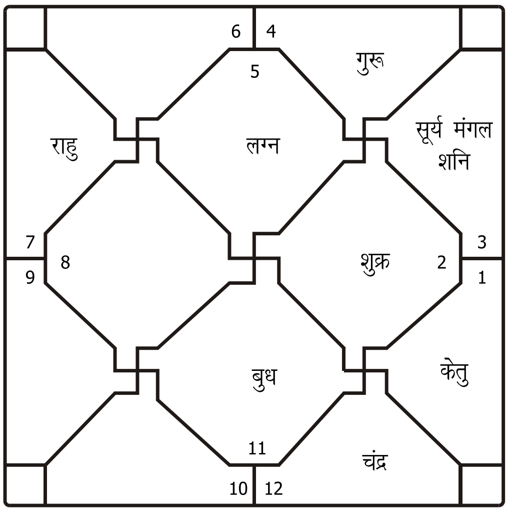

मेलापक विचार

वर्ण *वर्ण पति पत्नी के मध्य अहम् भाव का परिचायक है।*

1अंक मेलापक सारिणी में होने के कारण दर्शाता है कि भावी वर व वधू के मध्य तालमेल अच्छा रहेगा। पत्नी पति के प्रति आदर भाव रखेगी तथा पति पत्नी के प्रति प्रेम भाव रखेगा।

वश्य *वश्य आकर्षण एवं लगाव का सूचक है।*

1अंक मेलापक सारिणी में होने के कारण दर्शाता है कि भावी वर व वधू के मध्य विचारों के प्रति आदर देने एवं आपसी आकर्षण की संभावना बहुत ही साधारण है।

तारा/दिन *तारा/दिन स्वास्थ्य का सूचक है।*

1.5अंक मेलापक सारिणी में होने के कारण दर्शाता है कि भावी वर व वधू के मध्य कभी कभी स्वास्थ्य संबन्धी परेशानी हो सकती हैं।

योनि *योनि संतुष्टि को दर्शाता है।*

4अंक मेलापक सारिणी में होने के कारण दर्शाता है कि भावी वर व वधू के मध्य श्रेष्ठ श्रेणी का सामंजस्य एवं संतुष्टता रहेगी।

ग्रह मैत्री *ग्रह मैत्री बौद्धिक एवं आध्यात्मिक स्तर का सूचक है।*

.5अंक मेलापक सारिणी में होने के कारण दर्शाता है कि भावी वर व वधू के मध्य अलग अलग बौद्धिक एवं आध्यात्मिक स्तर होने के कारण आपसी तालमेल कम रहेगा।

गण *गण आपसी मिजाज का सूचक है।*

0अंक मेलापक सारिणी में होने के कारण दर्शाता है कि भावी वर व वधू के मध्य आपसी मिजाज मिलने की संभावना न्यूनतम है।

भकुट *भकुट परिवार, बच्चे एवं पारिवारिक मेलजोल का सूचक है।*

7अंक मेलापक सारिणी में होने के कारण दर्शाता है कि भावी वर व वधू के मध्य पारिवारिक जीवन सुखी होगा एवं भाग्यशाली संतान से सुख की प्राप्ति होगी।

नाड़ी *नाड़ी भौतिक स्वास्थ्य का सूचक है।*

8अंक मेलापक सारिणी में होने के कारण दर्शाता है कि भावी वर व वधू के मध्य शारीरिक एवं भौतिक स्वास्थ्य की दृष्टि से सर्वोत्तम जीवन यापन करेंगे।

ज्योतिषीय मेलापक केवल परम्परा का निर्वाह नहीं है अपितु भावी दम्पत्ति के स्वभाव, गुण, प्रेम और आचार-व्यवहार के सम्बंध के विषय में जानकारी प्राप्त करना है। जब तक समान आचार व्यवहार वाले वर-कन्या नहीं होते तब तक दाम्पत्यजीवन सुखमय नहीं हो सकता। क्योंकि विवाह पूर्व ही अपने भावी जीवन साथी के स्वभाव आदि के विषय में जानकारी प्राप्त करना अत्यंत कठिन है। अतः ज्योतिष की यह वैज्ञानिक पद्धति एक वरदान समान सिद्ध हो सकती है।

मेलापक सारिणी

कूट	**लड़का**	**लड़की**	**प्राप्त अंक**	**अधिकतम अंक**
वर्ण	ब्राह्मण	वैश्य	1	1
वश्य	कीट	चतुष्पद	1	2
तारा/दिन	विपत	मैत्र	1.5	3
योनि	मेष	मेष	4	4
ग्रह मैत्री	चन्द्र	शुक्र	0.5	5
गण	देव	राक्षस	0	6
भकुट	कर्क	वृषभ	7	7
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8
कुल गुण			23	36

मेलापक सारिणी विचार

कूट मिलान का स्कोर अच्छा है. यह विवाह सुखकारी होगा. अच्छे मिलान के कारण, वैवाहिक जीवन वर व वधू दोनों के लिये सुखमय एवं उन्नतिपूर्ण होगा। सामान्यतया 18 व अधिक गुणों के मिलान को अच्छा माना जाता है।

मांगलिक विचार

लड़का व लड़की दोनों ही मांगलिक दोष से मुक्त हैं, अतः मांगलिक दोष के कारण विवाह में कोई बाधा नहीं है।